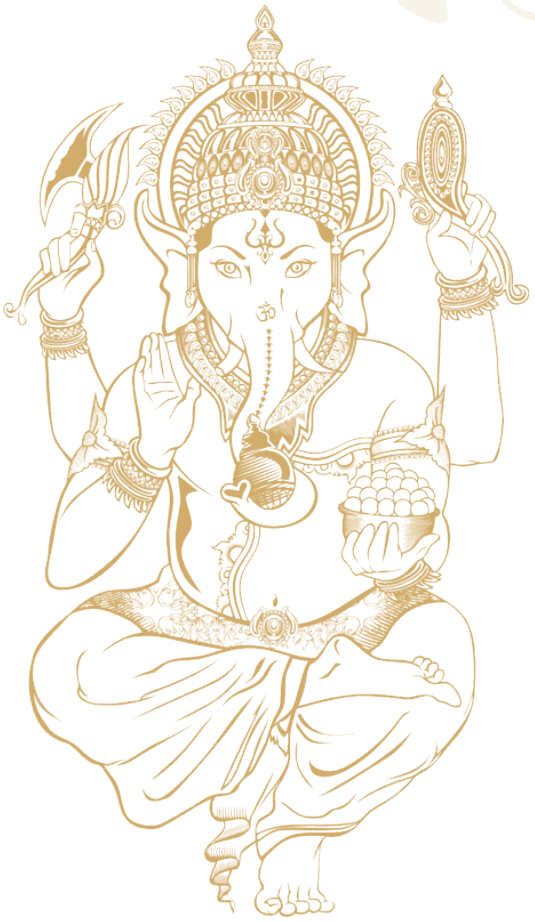

Manavi

23 Dec 1996

01:40 PM

Delhi

Model: web-FreeVarshphal

Order No: 119598705

स्त्रीलिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
23/12/1996	जन्म तिथि	**23-24/12/2025**
सोमवार	दिन	मंगल-बुधवार
घंटे 13:40:05	जन्म समय	00:10:11 घंटे
घटी 16:12:47	जन्म समय(घटी)	42:28:05 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Delhi
उत्तर 28:39:00	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
पूर्व 77:13:00	रेखांश	77:13:00 पूर्व
पूर्व 82:30:00	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:10:58	सूर्योदय	07:10:56
17:29:17	सूर्यास्त	17:29:49
23:48:54	चित्रपक्षीय अयनांश	24:13:17

मेष	लग्न	कन्या
मंगल	लग्न लग्नाधिपति	बुध
वृष	राशि	मकर
शुक्र	राशि-स्वामी	शनि
रोहिणी	नक्षत्र	श्रवण
चन्द्र	नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
4	चरण	3
शुभ	योग	हर्षण
वणिज	करण	वणिज
वू-वुभेश	जन्म नामाक्षर	खे-खेमा
मकर	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मकर
वैश्य	वर्ण	वैश्य
चतुष्पाद	वश्य	जलचर
सर्प	योनि	वानर
मनुष्य	गण	देव
अन्त्य	नाड़ी	अन्त्य
मृग	वर्ग	मार्जार
29	गत/तत्कालिक वर्ष	30

जन्म - विवरण

नक्षत्र	पद	अंश	राशि	व	अ
अश्विनी	2	06:38:10	मेष		
मूल	3	07:58:12	धनु		
रोहिणी	4	20:28:11	वृष		
उ०फाल्गुनी	2	02:18:50	कन्या		
पूर्वाषाढ़ा	4	25:23:22	धनु		
उत्तराषाढ़ा	1	29:22:20	धनु		
अनुराधा	4	13:48:28	वृश्चि		
उ०भाद्रपद	2	07:08:57	मीन		
उ०फाल्गुनी	4	09:56:45	कन्या	व	
उ०भाद्रपद	2	09:56:45	मीन	व	
उत्तराषाढ़ा	4	08:59:17	मक		

वर्ष - विवरण

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	पद	नक्षत्र
लग्न			कन्या	05:37:14	3	उ०फाल्गुनी
सूर्य			धनु	07:58:12	3	मूल
चंद्र			मक	19:41:22	3	श्रवण
मंगल		अ	धनु	12:11:20	4	मूल
बुध			वृश्चि	22:06:16	2	ज्येष्ठा
गुरु	व		मिथु	28:10:14	3	पुनर्वसु
शुक्र		अ	धनु	04:38:15	2	मूल
शनि			मीन	01:31:13	4	पू०भाद्रपद
राहु	व		कुंभ	17:05:54	4	शतभिषा
केतु	व		सिंह	17:05:54	2	पू०फाल्गुनी
मु			कन्या	06:38:10	3	उ०फाल्गुनी

व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:17

लग्न-चलित

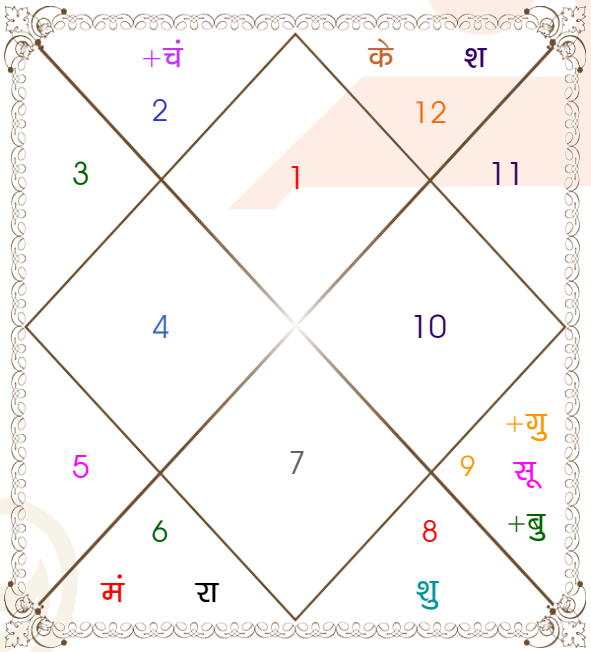

वर्ष लग्न कुंडली

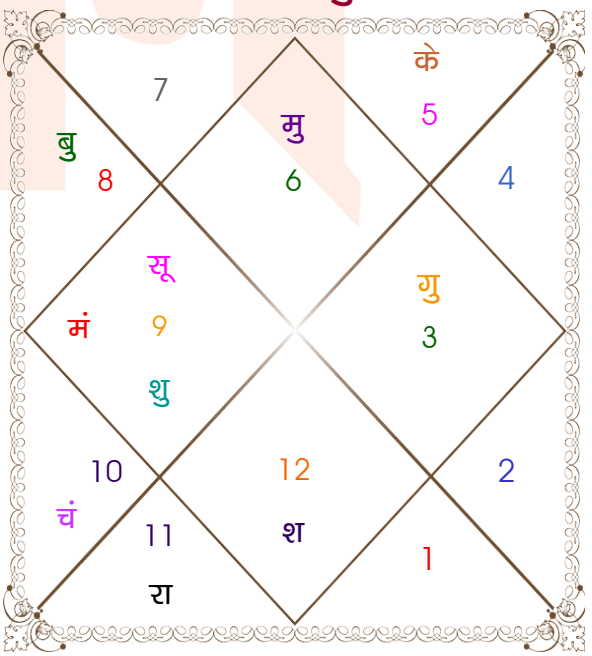

Jay maa kamakhya tantra jyotish kendra
Shamli, Uttar Pradesh 247776, India
9653182606 8077210767
chauhansushil679@gmail.com

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

गुरु - गुरु - चंद्र	
21/08/2025 04:44	
25/10/2025 03:08	
चंद्र	26/08/2025 14:36
मंगल	30/08/2025 09:30
राहु	09/09/2025 03:16
गुरु	17/09/2025 19:03
शनि	28/09/2025 01:48
बुध	07/10/2025 06:34
केतु	11/10/2025 01:28
शुक्र	21/10/2025 21:12
सूर्य	25/10/2025 03:08

गुरु - गुरु - मंगल	
25/10/2025 03:08	
09/12/2025 14:00	
मंगल	27/10/2025 18:46
राहु	03/11/2025 14:24
गुरु	09/11/2025 15:51
शनि	16/11/2025 20:34
बुध	23/11/2025 07:07
केतु	25/11/2025 22:45
शुक्र	03/12/2025 12:33
सूर्य	05/12/2025 19:06
चंद्र	09/12/2025 14:00

गुरु - गुरु - राहु	
09/12/2025 14:00	
05/04/2026 11:08	
राहु	27/12/2025 02:47
गुरु	11/01/2026 16:48
शनि	30/01/2026 04:56
बुध	15/02/2026 18:20
केतु	22/02/2026 13:58
शुक्र	14/03/2026 01:29
सूर्य	19/03/2026 21:44
चंद्र	29/03/2026 15:30
मंगल	05/04/2026 11:08

गुरु - शनि - शनि	
05/04/2026 11:08	
29/08/2026 23:16	
शनि	28/04/2026 15:51
बुध	19/05/2026 09:58
केतु	27/05/2026 23:05
शुक्र	21/06/2026 09:06
सूर्य	28/06/2026 16:54
चंद्र	10/07/2026 21:55
मंगल	19/07/2026 11:02
राहु	10/08/2026 10:27
गुरु	29/08/2026 23:16

गुरु - शनि - बुध	
29/08/2026 23:16	
08/01/2027 01:17	
बुध	17/09/2026 12:57
केतु	25/09/2026 04:28
शुक्र	17/10/2026 00:49
सूर्य	23/10/2026 14:07
चंद्र	03/11/2026 12:17
मंगल	11/11/2026 03:48
राहु	30/11/2026 19:42
गुरु	18/12/2026 07:10
शनि	08/01/2027 01:17

गुरु - शनि - केतु	
08/01/2027 01:17	
03/03/2027 00:42	
केतु	11/01/2027 04:51
शुक्र	20/01/2027 04:45
सूर्य	22/01/2027 21:32
चंद्र	27/01/2027 09:29
मंगल	30/01/2027 13:03
राहु	07/02/2027 15:22
गुरु	14/02/2027 20:05
शनि	23/02/2027 09:11
बुध	03/03/2027 00:42

गुरु - शनि - शुक्र	
03/03/2027 00:42	
04/08/2027 05:54	
शुक्र	28/03/2027 17:34
सूर्य	05/04/2027 10:38
चंद्र	18/04/2027 07:04
मंगल	27/04/2027 06:58
राहु	20/05/2027 10:09
गुरु	09/06/2027 23:39
शनि	04/07/2027 09:40
बुध	26/07/2027 06:00
केतु	04/08/2027 05:54

गुरु - शनि - सूर्य	
04/08/2027 05:54	
19/09/2027 12:16	
सूर्य	06/08/2027 13:26
चंद्र	10/08/2027 09:57
मंगल	13/08/2027 02:44
राहु	20/08/2027 01:17
गुरु	26/08/2027 05:20
शनि	02/09/2027 13:08
बुध	09/09/2027 02:26
केतु	11/09/2027 19:12
शुक्र	19/09/2027 12:16

गुरु - शनि - चंद्र	
19/09/2027 12:16	
05/12/2027 14:52	
चंद्र	25/09/2027 22:29
मंगल	30/09/2027 10:26
राहु	12/10/2027 00:02
गुरु	22/10/2027 06:46
शनि	03/11/2027 11:47
बुध	14/11/2027 09:57
केतु	18/11/2027 21:54
शुक्र	01/12/2027 18:20
सूर्य	05/12/2027 14:52

गुरु - शनि - मंगल	
05/12/2027 14:52	
28/01/2028 14:17	
मंगल	08/12/2027 18:26
राहु	16/12/2027 20:45
गुरु	24/12/2027 01:28
शनि	01/01/2028 14:35
बुध	09/01/2028 06:06
केतु	12/01/2028 09:40
शुक्र	21/01/2028 09:34
सूर्य	24/01/2028 02:20
चंद्र	28/01/2028 14:17

गुरु - शनि - राहु	
28/01/2028 14:17	
15/06/2028 09:22	
राहु	18/02/2028 09:57
गुरु	07/03/2028 22:06
शनि	29/03/2028 21:31
बुध	18/04/2028 13:25
केतु	26/04/2028 15:44
शुक्र	19/05/2028 18:55
सूर्य	26/05/2028 17:28
चंद्र	07/06/2028 07:03
मंगल	15/06/2028 09:22

गुरु - शनि - गुरु	
15/06/2028 09:22	
16/10/2028 18:20	
गुरु	01/07/2028 20:10
शनि	21/07/2028 08:59
बुध	07/08/2028 20:27
केतु	15/08/2028 01:10
शुक्र	04/09/2028 14:40
सूर्य	10/09/2028 18:43
चंद्र	21/09/2028 01:28
मंगल	28/09/2028 06:11
राहु	16/10/2028 18:20

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा अपने समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण सांसारिक कार्यो को आप उत्साह तथा परिश्रम से सम्पन्न करेंगे। साथ ही इनमें आपको वांछित सफलता भी प्राप्त होगी। मानसिक रूप से भी आप प्रसन्न रहेंगे तथा शान्ति एवं सन्तुष्टि का भाव मन में विद्यमान रहेगा। इस समय लेखन कार्य तथा शास्त्रों के अध्ययन में आपकी रूचि रहेगी तथा कई कलाओं के विषय में जानने को आप इच्छुक रहेंगे। इस समय आपका व्यवहार अन्य लोगों से अच्छा रहेगा तथा सबको प्रभावित करने में आप समर्थ रहेंगे। साथ ही प्रत्युत्तर देकर प्रतिवादी को भी आप शान्त एवं प्रभावित करने में आप सफल होंगे। शत्रुपक्ष इस समय आपसे भयभीत तथा चिन्तित रहेगा एवं उन पर विजय प्राप्त करने में आप को सफलता प्राप्त होगी। गणित या ज्ञान विज्ञान के क्षेत्र में इस समय आप कोई विशिष्ट उपलब्धि अर्जित कर सकते है।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति के लिए वर्ष शुभ रहेगा तथा इसमें आपको इच्छित सफलता प्राप्त होगी। साथ ही प्रचुर मात्रा में लाभार्जन भी होगा। नौकरी या राजनीति में इस समय आपको किसी महत्वपूर्ण पद की प्राप्ति होगी तथा समाज में मान प्रतिष्ठा तथा यश की अभिवृद्धि होगी एवं सभी लोग आपके पराक्रम तथा प्रभाव को स्वीकार करेंगे। इस समय राजनैतिक लोगों या उच्चाधिकारी वर्ग से आपके मधुर संबंध रहेंगे तथा उनसे आप वांछित सहयोग एवं लाभ अर्जित करने में समर्थ रहेंगे। आर्थिक स्थिति भी आपकी इस समय सुदृढ़ रहेगी तथा प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित होगा तथा समस्त सुख संसाधनों को उपभोग करते हुए प्रसन्नता पूर्वक यह वर्ष व्यतीत करेंगे।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य सामान्यतया अच्छा रहेगा तथा मानसिक रूप से भी आप प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगी। इस समय कार्य क्षेत्र में आपकी उन्नति होगी एवं नौकरी या राजनीति में किसी प्रभावशाली पद को प्राप्त करने में सफल हो सकती है। व्यापारिक क्षेत्र में भी आपके लाभ मार्ग प्रशस्त रहेंगे तथा इच्छित मात्रा में धनार्जन एवं लाभ होता रहेगा साथ ही व्यापार में विस्तार तथा अन्य नवीन कार्यो को भी आप प्रारम्भ करेंगी जिससे प्रचुर आय होगी ।फलतः आर्थिक रूप से आपकी स्थिति सुदृढ़ रहेगी। इस वर्ष शत्रु वर्ग को पराजित करने में समर्थ रहेंगी फलतः चुनाव मुकद्दमे, व्यापारिक प्रतियोगिता या अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं में आपको सफलता मिलने की प्रबल संभावनाएं रहेंगी।

इस समय राजनैतिक महत्व के लोग या सरकार के उच्चाधिकारी वर्ग से आपको पूर्ण लाभ तथा सहयोग मिलेगा। साथ ही वे आपसे प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे।सामाजिक क्षेत्र में भी इस समय आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपके प्रभाव को स्वीकार करेंगे एवं आपको यथोचित सम्मान प्रदान करेंगे। इसके साथ ही आपके विगत रूके हुए सभी कार्य पूर्ण होंगे तथा भाग्योदय संबधी किसी शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य में आपको सफलता मिलेगी। अन्य सांसारिक कार्यो से भी आपको खुशी होगी एवं कोई शुभ समाचार भी प्राप्त होगा।इसके अतिरिक्त इस वर्ष में आप को संतति की प्राप्ति या संतति पक्ष से पूर्ण सुख एवं सहयोग भी प्राप्त होगा।इसके अतिरिक्त इस वर्ष में वाहन संबधी सुख भी मिलेगा। अतः आपका अधिकांश समय सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।